महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नाशिक

तृतीय वर्ष बी.ए.एम.एस.

शालाक्यतंत्र

(कर्ण – नासा – मुख व शीररोग)

व

– नेत्ररोगविज्ञान –

रुग्णपरिक्षण पत्रिका

- प्रमाणपत्र -

श्री./श्रीमती———————————————————————————————————

प्रमाणपत्र देण्यात येते की, शालाक्य (मुख-नासा-कर्ण-शीरारोग) चिकित्सा या विषयाचे रुग्णालयीन प्रात्याक्षिकांना नियमित उपस्थित राहून आवश्यक ती प्रात्याक्षिके पूर्ण केलेली आहेत.

शालाक्यतंत्र विभाग प्रमुख प्रभाग प्रमुख

दिनांक

अनुक्रमणिका

कर्ण – नासा – मुख – शीरोरोग

अनु. क्र.	व्याधिनाम	स्वाक्षरी अध्यापक
१.		
२.		
३.		
४.		
५.		

नेत्ररोग विज्ञान

अनु. क्र.	व्याधिनाम	स्वाक्षरी अध्यापक
१.		
२.		
३.		
४.		
५.		

शालाक्यतंत्र विभाग

कर्ण - नासा - शिरो - मुख - कंठ - रुग्ण - परिक्षा पत्रक

बाह्यरुग्ण क्रमांक | शय्या क्रमांक | प्रवेशित रुग्ण क्रमांक

प्रधान वैद्य

विद्यार्थी

रुग्णाचे नांव

संपूर्ण पत्ता

वय | लिंग | जात | व्यवसाय

देश | ऋतुकाल

प्रवेशित दिनांक व वेळ

निर्गम दिनांक व वेळ

रोग निदान

चिकित्सा

चिकित्सा फल

---

१) वेदना विशेष

२) वर्तमान व्याधिवृत्त

३) पूर्व व्याधिवृत्त

४) कुलवृत्त

रुग्ण परिक्षा	नाडी	रक्तदाब
	तापमान	
	श्वसन	
	देहयष्टी	वर्ण

स्थानिक परीक्षण

नासा परिक्षण

बर्हिनासिका

अर्नासिका

नासागुहा दक्षिण वाम

अ) शुक्तिका व सुरंगा

उर्ध्व

मध्य

अध:

ब) श्लैष्मिक कला

क) नासारंध्र

पूर्व

पश्च:त

नासास्त्राव : गंध,वर्ण इ.

मुख परीक्षण

ओष्ठ–उर्ध्व

अध:

दंतवेष्ठ

दंत

जिव्हा

तालू (कठीण)

तालू (मृदू)

गल–गिलायुग्रंथी

गल–शुंडिका

उपजिव्हा

कंठ

अन्यविशेष परिक्षा

कर्णपरिक्षण

बाह्यकर्ण–कर्णशुष्कुली
कर्ण्पुत्रक

कर्ण पाली

कर्ण पार्श्व

कर्ण कुहर

मध्यकर्ण

श्रृतिसुरगडग

श्रवणेंद्रिय

पार्थीववाह्कता

वायवीयवाह्कता

२५६. ५१२. १०२४

स्त्राव–गंध, वर्ण इत्यादी

शीरोपरिक्षण

आकार

त्वचा

परिघ

कपालास्थि

मन्यागत ग्रंथी

अन्य विशेष परिक्षा

हेतु

पूर्वरुपे

रुपे

उपशयानुपशय

संप्राप्ति

मुत्र,रक्त,क्ष किरण इत्यादि परिक्षा

चिकित्सा — स्थानिक
सार्वदेहिक

रोगनिदान

स्थान

शस्त्रकर्म

पूर्वकर्म

प्रधानकर्म

पथ्यापथ्य

दिनांक	रुग्णवृत्त	चिकित्सा

अध्यापक स्वाक्षरी

विद्यार्थी स्वाक्षरी

+ शालाक्य तंत्र विभाग +

अंतिम वर्ष बी.ए.एम.एस.

नेत्ररोग रुग्णपत्रिका

रुग्णनाम : बाह्यरुग्ण विभाग क्र.

धर्मजात : आंतर रुग्ण विभाग क्र.

लिंग : वय : शय्या क्र.

विवाहित/अविवाहित : प्रवेश दि.:

निवास : निर्गम दि.:

व्यवसाय :

संभाव्य रोग

प्रमुख वेदनावृत्त –

वेदना :

व्याधीवृत्त :

कुलवृत्त :

स्थानिक परिक्षण :

नेत्र परीक्षण		दक्षिण नेत्र	वामनेत्र
१. मंडल परिक्षण	१. भ्रूमंडल		
	२. पक्ष्ममंडल		
	३. वर्त्ममंडल	उर्ध्व :	
		अध :	
	४. शुक्लमंडल		
	उपतारणु		
	५. कृष्णमंडल	कर्णिका :	
	६. दृष्टीमंडल	आकार :	
		प्रतिक्रिया :	
	७. दृष्टीमणी		
	८. पूर्व वेश्म (Anterior Chamber)		

२. संधी परिक्षण दक्षिणनेत्र वामनेत्र

१. अपांग गतसंधी

अश्रुसंधी

कननिकागत संधी

अश्रुकोप

२. पक्ष्मवर्त्मगतसंधी

३. वर्त्मशुक्लगतसंधी

उर्ध्व

अध:

४. कृष्णदृष्टीगतसंधी

दर्शनशक्ती परिक्षण

दुरेक्षण

दृष्टीक्षेत्र

३. पटल परिक्षण

दृष्टीनाडी शीर्ष

पीतबींदु

रक्तवाहिन्या

स्त्राव परिक्षण

राशी

संघात

गंध

वर्ण

अन्य

विशेष परिक्षण

निदान पंचक

१. हेतु (निज,आगन्तु)

२. पूर्वरुपाणी

३. रुपाणि

४. उपशयानुशप

५. संप्राप्ती

व्यवच्छेदक रोगनिदान

व्याधी		

निदान

चिकित्सा सूत्र

शस्त्रकर्म चिकित्सा

पूर्वकर्म

प्रधानकर्म

पश्चातकर्म

परिणाम

अनुवृत्त

दिनांक	लक्षणनि	चिकित्सा

विद्यार्थी स्वाक्षरी अध्यापक स्वाक्षरी